दीप ज्योति

हिंदी व्याकरण

6

अशोक लव

एम.ए., बी. एड,

(लेखक एवं शिक्षाविद्)

पूर्व हिंदी-संस्कृत विभागाध्यक्ष

द एयर फ़ोर्स स्कूल सुब्रोतो पार्क

नई दिल्ली - 110010

Evershine ESP Publishers

Soni House, WZ-348, Nangal Raya, New Delhi - 110046

Phones : 28111758, 28113958, Fax : 28112353

प्रकाशक :

एवरशाइन पब्लिशर्ज़

नांगल राया, नई दिल्ली - 110046

फोन : 28111758, 28113958

फैक्स : 28112353

नवीन संस्करण

© सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस पुस्तक के किसी भी भाग को छापना तथा इलेक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकार्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।

भूमिका

प्रत्येक भाषा के ज्ञान के लिए उसके व्याकरण का ज्ञान होना अत्यंत आवश्यक होता है। व्याकरण द्वारा ही भाषा के शुद्ध प्रयोग का ज्ञान होता है। भाषा के मौखिक और लिखित दोनों रूपों के व्यावहारिक शुद्ध प्रयोग को व्याकरण द्वारा ही किया जा सकता है। हिंदी विश्व की दूसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। यह भारत के एक कोने से दूसरे कोने तक बोली जाती है। इसलिए इसे भारत की संपर्क भाषा भी कहा जाता है। यह राजभाषा तो है ही। इस दृष्टि से प्रत्येक भारतवासी के लिए हिंदी का ज्ञान आवश्यक हो जाता है और व्यवहार में प्रयोग करने के लिए इसके व्याकरण का ज्ञान भी आवश्यक है।

व्याकरण की यह शृंखला प्राथमिक कक्षाओं के लिए तैयार की गई है। इसे विद्यालयों में प्रवेश लेने वाले नन्हें शिशुओं से लेकर आठवीं कक्षा के विद्यार्थियों को दृष्टिगत रखते हुए तैयार किया गया है। इसकी भाषा सरल है। उदाहरणों और गतिविधियों के माध्यम से व्याकरण नियमों को रुचिकर बनाया गया है। अभ्यास के लिए पर्याप्त प्रश्न दिए गए हैं। सतत् मूल्यांकन के लिए मौखिक और लिखित दोनों प्रकार के प्रश्न दिए गए हैं। बहुविकल्पी प्रश्नों द्वारा विद्यार्थियों की चयन–क्षमता के मूल्यांकन के लिए प्रश्न दिए गए हैं।

पर्यायवाची, विलोम, समरूपी भिन्नार्थक, उपसर्ग, प्रत्यय, मुहावरे–लोकोक्तियाँ आदि पर्याप्त संख्या में दिए गए हैं।

व्याकरण के प्रत्येक नियम को उदाहरणों द्वारा 'करके सीखने' की पद्धति को दृष्टिगत रखकर समझाया गया है। इनसे विद्यार्थियों की सीखने की रुचि बढ़ती है।

अध्यापक–अध्यापिकाएँ विद्यार्थियों को प्रत्येक विषय का ज्ञान प्रदान करते हैं। यह व्याकरण – शृंखला हिंदी भाषा के ज्ञान प्रदान करने में उनकी सहायक होगी, ऐसा हमारा विश्वास है। तीस वर्षों तक हिंदी शिक्षण से संबंद्ध रहने के कारण हमने इस शृंखला को व्यावहारिक रूप प्रदान करने का प्रयास किया है। एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार **'दीप ज्योति व्याकरण'** शृंखला समस्त विद्यालयों के लिए अत्यंत उपयोगी है।

अशोक लव

विषय-सूची

1.	भाषा, लिपि और व्याकरण	05
2.	वर्ण-विचार	10
3.	शब्द-विचार	17
4.	वर्तनी की अशुद्धियाँ	23
5.	शब्द-रचना – उपसर्ग-प्रत्यय	27
6.	संधि	33
7.	संज्ञा	38
8.	लिंग तथा वचन	43
9.	कारक	51
10.	सर्वनाम	56
11.	विशेषण	62
12.	क्रिया	69
13.	अव्यय (अविकारी शब्द)	76
14.	विराम-चिह्न	84
15.	वाक्य	88
16.	मुहावरे तथा लोकोक्तियाँ	91
17.	शब्द-भंडार	99
18.	रचनात्मक गतिविधियाँ अपठित गद्यांश	107
19.	अनुच्छेद-लेखन	113
20.	निबंध-लेखन	117
21.	कहानी-लेखन	127
22.	संवाद-लेखन	131
23.	पत्र-लेखन	134
24.	अभ्यास प्रश्न-पत्र-1	141
25.	अभ्यास प्रश्न-पत्र-2	143

1 भाषा, लिपि और व्याकरण

(LANGUAGE, SCRIPT AND GRAMMAR)

भाषा

भाषा के विषय में हम पिछली कक्षाओं में भी पढ़ चुके हैं। इसके विषय में और गहराई से जानें।

दो सहेलियाँ आपस में बातें कर रही हैं।

अध्यापिका लिखकर बच्चों को पढ़ा रही हैं।

पहले चित्र में जूही बोलकर महक से कुछ पूछ रही है और महक सुनकर उसकी बातों का उत्तर दे रही है। दूसरे चित्र में अध्यापिका लिखकर अपनी बात बता रही हैं और बच्चे पढ़कर उनकी बात समझ रहे हैं।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि हम अपनी बात बोलकर या लिखकर दूसरों तक पहुँचाते हैं और दूसरे उसे सुनकर या पढ़कर समझते हैं। यही प्रक्रिया भाषा कहलाती है। अत: हम कह सकते हैं कि –

भावों और विचारों के आदान-प्रदान के माध्यम को भाषा कहते हैं।

पशु-पक्षी भी ध्वनियों और संकेतों के द्वारा अपने विचार व्यक्त करते हैं। मनुष्य सर्वश्रेष्ठ प्राणी है। वह अपने विचारों को बोलकर या लिखकर व्यक्त करता है और दूसरों के विचारों को सुनकर या पढ़कर समझता है।

भाषा के रूप

भाषा के दो रूप होते हैं – मौखिक भाषा और लिखित भाषा।

मौखिक भाषा : मन के भावों और विचारों को बोलकर प्रकट करना मौखिक भाषा है। यह रूप सहज होता है और इसका प्रयोग व्यापक रूप से किया जाता है। मौखिक भाषा का रूप अस्थायी होता है। परंतु अब भाषा के इस रूप को टेप करके कैसेट्स में सुरक्षित रखा जाने लगा है।

लिखित भाषा : मन के भावों और विचारों को लिखकर प्रकट करना लिखित भाषा है। भाषा का यह रूप मौखिक भाषा की अपेक्षा सीमित परंतु स्थायी होता है। ज्ञान का समस्त भंडार लिखित रूप में सुरक्षित है।

बोली और भाषा

भाषा के जिस रूप को क्षेत्रीय स्तर पर बोला जाता है, उसे बोली कहते हैं। जैसे – उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड में बोली जाने वाली बोली बुंदेलखंडी है। इसी प्रकार भोजपुरी, मैथिली, छत्तीसगढ़ी और राजस्थानी बोलियाँ अपने-अपने क्षेत्रों में बोली जाती हैं।

बोली और भाषा में विशेष अंतर यह है कि बोली किसी विशेष क्षेत्र तक सीमित होती है, जबकि भाषा का क्षेत्र व्यापक होता है। बोली का साहित्य मौखिक और भाषा का साहित्य लिखित होता है।

मातृभाषा और राष्ट्रभाषा

जो भाषा हम अपने माता-पिता अथवा घर के सदस्यों से सीखते हैं वह हमारी मातृभाषा कहलाती है।

जिस भाषा का प्रयोग पूरे राष्ट्र में होता है, वह राष्ट्रभाषा कहलाती है। भारत की राष्ट्रभाषा हिंदी है। हिंदी को 14 सितंबर, 1949, को राजभाषा के रूप में मान्यता प्रदान की गई। इसलिए प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है।

भारत के संविधान में 22 भाषाओं को मान्यता प्रदान की गई है, जो इस प्रकार हैं –

1. हिंदी 2. संस्कृत 3. पंजाबी 4. बंगाली 5. कश्मीरी 6. उर्दू 7. उड़िया 8. असमिया 9. तेलुगु 10. तमिल 11. मणिपुरी 12. मराठी 13. सिंधी 14. बोड़ो 15. मलयालम 16. कोंकणी 17. नेपाली 18. संथाली (संताली) 19. गुजराती 20. डोगरी 21. कन्नड़ 22. मैथिली।

भारत के कुछ प्रदेशों तथा विश्व के कुछ देशों की प्रमुख भाषाएँ इस प्रकार हैं –

प्रदेश	गुजरात	आंध्रप्रदेश	महाराष्ट्र	पंजाब	केरल	तमिलनाडु
भाषा	गुजराती	तेलुगु	मराठी	पंजाबी	मलयालम	तमिल

देश	भारत	रूस	चीन	जापान	फ्रांस	इंग्लैंड
भाषा	हिंदी	रूसी	चीनी	जापानी	फ्रांसीसी	अंग्रेज़ी

लिपि

बोलते समय हमारे मुख से कुछ ध्वनियाँ निकलती हैं। इन ध्वनियों को लिखने के लिए कुछ चिह्न निर्मित किए गए हैं। इन चिह्नों को लिपि कहते हैं।

भाषा लिखने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है उन्हें लिपि कहते हैं।

संसार में अलग-अलग भाषाएँ विभिन्न लिपियों में लिखी जाती हैं। हिंदी भाषा की लिपि देवनागरी है। संसार की कुछ भाषाओं की लिपियों के नाम इस प्रकार हैं –

भाषा	लिपि	भाषा	लिपि
हिंदी	देवनागरी	पंजाबी	गुरुमुखी
संस्कृत	देवनागरी	बंगाली	बंगला
अंग्रेज़ी	रोमन	फ्रेंच	रोमन
उर्दू	फ़ारसी	जर्मन	रोमन

व्याकरण

यह आवश्यक है कि हम जो कुछ भी बोले या लिखें, वह शुद्ध हो। भाषा को शुद्ध रूप में बोलने या लिखने के लिए व्याकरण की आवश्यकता होती है।

व्याकरण वह शास्त्र है जो हमें भाषा को शुद्ध रूप में बोलने और लिखने का ज्ञान कराता है।

यदि हमें व्याकरण के नियमों का ज्ञान नहीं है, तो हम भाषा का प्रयोग सही रूप में नहीं कर सकते। जैसे –

अशुद्ध	शुद्ध
गाय घास चर रहा है।	गाय घास चर रही है।
कुत्ता भौंक रहे हैं।	कुत्ता भौंक रहा है।
तितलियाँ उड़ रही है।	तितलियाँ उड़ रही हैं।

याद रखो

- विचारों के आदान-प्रदान के साधन को भाषा कहते हैं।
- भाषा दो प्रकार की होती है – मौखिक तथा लिखित।
- भाषा का क्षेत्रीय रूप बोली कहलाता है।
- भाषा को लिखने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग करते हैं, उन्हें लिपि कहते हैं।
- व्याकरण वह शास्त्र है जो हमें किसी भाषा को शुद्ध रूप से बोलना तथा लिखना सिखाता है।

अभ्यास

1. सही उत्तर पर (✓) चिह्न लगाओ:

(क) भाषा के कितने रूप होते हैं?

दो ☐ तीन ☐ चार ☐

(ख) ज्ञान का समस्त भंडार इस रूप में सुरक्षित है।

मौखिक ☐ लिखित ☐ सांकेतिक ☐

(ग) भारत के संविधान के द्वारा कितनी भाषाओं को मान्यता प्रदान की गई है?

18 ☐ 22 32 ☐

2. इन क्रियाओं में भाषा का कौन-सा रूप प्रयोग होता है, (✓) का चिह्न लगाओ :

(क)	एस.एम.एस. करना	लिखित	☐	मौखिक	☐
(ख)	ई-मेल करना	लिखित	☐	मौखिक	☐
(ग)	पत्र लिखना	लिखित	☐	मौखिक	☐
(घ)	दादी का कहानी सुनाना	लिखित	☐	मौखिक	☐
(ङ)	मोबाइल पर गाना सुनना	लिखित	☐	मौखिक	☐

3. सही कथनों के आगे (✓) और गलत कथनों के आगे (✘) लगाओ :

(क) मन के भावों को केवल बोलकर प्रकट किया जा सकता है। ☐

(ख) मौखिक भाषा, भाषा का अस्थायी रूप है। ☐

(ग) भाषा और बोली में अंतर होता है। ☐

(घ) हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा है। ☐

(ङ) प्रत्येक भाषा की अपनी लिपि होती है। ☐

4. नीचे दी गई लिपियों से संबंधित सही भाषा पर (✓) लगाओ :

(क)	रोमन	☐	पंजाबी	☐	अंग्रेज़ी	☐	अरबी	☐
(ख)	देवनागरी	☐	चीनी	☐	गुरुमुखी	☐	संस्कृत	☐
(ग)	गुरुमुखी	☐	जापानी	☐	पंजाबी	☐	फ़ारसी	☐
(घ)	बांग्ला	☐	बांग्ला	☐	देवनागरी	☐	लेटिन	☐
(ङ)	फ़ारसी	☐	संस्कृत	☐	उर्दू	☐	तमिल	☐

5. सही शब्दों द्वारा वाक्यों को पूरा करो :

(क) ..... भाषा का रूप सहज होता है।

(ख) भाषा का क्षेत्रीय रूप ..... है।

(ग) ..... का क्षेत्र व्यापक होता है।

(घ) हिंदी भाषा की लिपि ..... है।

(ङ) ..... हमें भाषा को शुद्ध रूप में बोलने और लिखने का ज्ञान कराता है।

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो :

(क) भाषा से क्या तात्पर्य है?

.....

.....

(ख) भाषा के कितने रूप होते हैं?

.....

.....

(ग) बोली और भाषा में अंतर स्पष्ट करो।

.....

.....

(घ) लिपि किसे कहते हैं, किन्हीं चार भाषाओं की लिपियों के नाम बताओ।

.....

.....

(ङ) व्याकरण से आप क्या समझते हैं?

.....

.....

करो और सीखो

1. आप छुट्टियों में घूमने अवश्य गए होंगे। किन्हीं तीन जगहों की भाषाओं के बारे में लिखो –

जगह का नाम	भाषा	लिपि
.....	.....	.....
.....	.....	.....
.....	.....	.....

2. ब्रेल लिपि ऐसे लोगों के लिए है जो देख नहीं सकते। इस विधि में प्रत्येक अक्षर के लिए कुछ बिंदु होते हैं। जो कागज़ पर उभरे हुए होते हैं। उन्हें उंगली से छूकर पढा जाता है।

ब्रेल लिपि का आविष्कार फ्रांस के लुई ब्रेल ने किया था। लुई ब्रेल जन्म से ही दृष्टिहीन थे। उन्होंने इस लिपि का अविष्कार 15 वर्ष की आयु में किया था।

इंटरनेट से ब्रेल लिपि और लुई ब्रेल के बारे में और अधिक जानकारी एकत्र करो।

लुई ब्रेल

ब्रेल लिपि पढ़ता दृष्टिहीन